बूंदों को सहेजेगा कानपुर एक्सप्रेसवे का एलिवेटेड रूट

[illegible] • [illegible]

लखनऊ से कानपुर के बीच बनने वाले एक्सप्रेसवे पर वर्षा जल संचयन को लेकर भी भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) काम करेगा। करीब 45 किमी के इस रूट पर बारिश के पानी को बचाने के लिए पूरे इंतजाम किए जाएंगे। दरअसल होगा कि बारिश की एक-एक बूंद बचाई जा सके। इसके लिए एक्सप्रेसवे के 36 किमी. एलिवेटेड रूट पर पहाड़ों से पानी जमीन के नीचे ले जाया जाएगा। इसके लिए वाटरशेड सिस्टम बनाए जाएंगे। एनएचएआई अधिकारी के मुताबिक जैसे लखनऊ बेल्ट से आने वाले एलिवेटेड रूट पर बारिश के पानी को बचाने के लिए इंतजाम किए हैं, वहां भी इसी तर्ज पर काम होगा। इसका प्रोजेक्ट की प्रबंधनेजी [illegible] के डिजाइन बिड खुल गई है और कार्यदायी संस्था भी निर्धारित हो गई है।

करीब 36 किमी. एलिवेटेड रूट पर हर साल लाखों लीटर बारिश का पानी बचाया जा सकेगा। यही इसी रूट के शेष भाग जो 45 किमी. का है, उस पर बरसात के पानी को रोकने के लिए ग्रीन बेल्ट के दोनों फुटपाथ पर पेड़-पौधे लगाए जाएंगे। यहीं दोनों सड़कों के बीच डिवाइडर पर भी यह व्यवस्था की जाएगी। ये एक्सप्रेसवे बनाए जाने को लेकर मार्च 30 मार्च के बाद तेज हो जाएगी। अगस्त का अधिकतर भी एनएचएआई तय कर रहा।

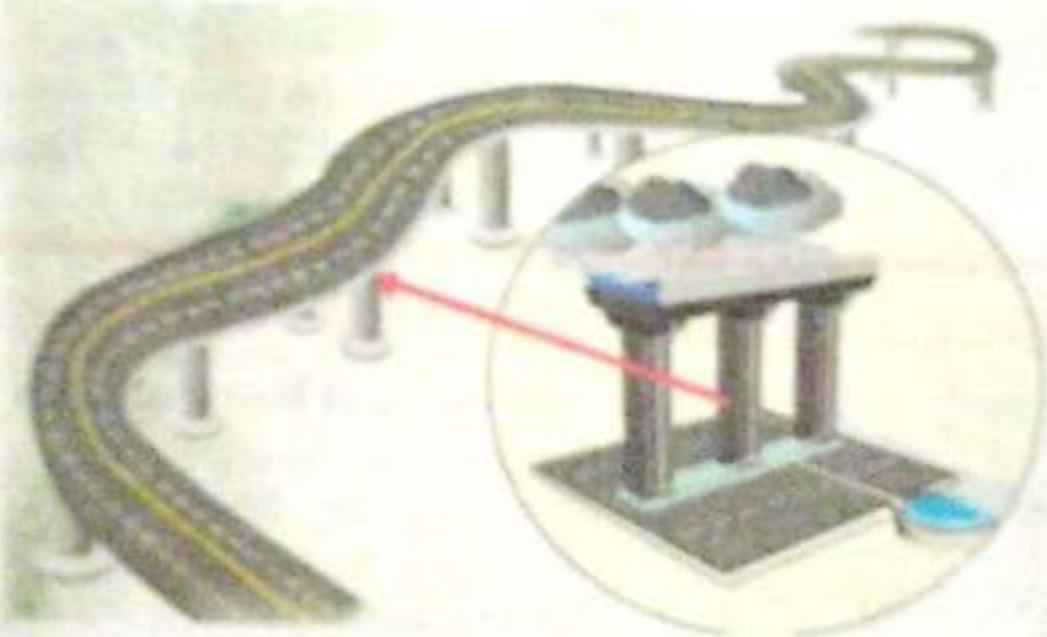

ड्राई रन में पूरा होगा प्रोजेक्ट

[illegible] के प्रोजेक्ट निदेशक [illegible] ने बताया कि ड्राई रन में यह प्रोजेक्ट पूरा करने का प्रयास किया जाएगा। इसके बनने से कानपुर का लखनऊ सीधे कनेक्ट हो जाएगा। यहीं बनने वाले [illegible] के लोगों को [illegible] काफी [illegible] रूट बनने के [illegible] से निकाला जाने है।

जनमत विशेष

[illegible] रूट पर [illegible] के [illegible] जमीन से ले जाया जाएगा

लोकसभा चुनाव से पहले पूरा होगा यह प्रोजेक्ट

लोकसभा चुनाव [illegible] 2024 में होने है। लखनऊ से कानपुर के बीच बनने वाले एक्सप्रेसवे का काम भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण इस बीच पूरा करने का प्रयास करेगा। अधिकारियों की माने तो राज्य सरकार के लिए यह बड़ी उपलब्धि होगी। इसके लिए [illegible] को [illegible] पर [illegible] में काम कराया होगा।